

राज एक्सप्रेस  
(11.06.2015)

# मानव अधिकार के नाम पर ली सायरन की अनुमति

**कोचिंग संचालक ने आरटीओ को भी किया गुमराह**

**इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क**

कोचिंग संचालक को मानव अधिकार आयोग के नाम से ब्लैक मेल करने वाले आरोपी ने पब्लिक विभाग को भी धोखा दिया है। पंगलवार को एक विजयनगर पुलिस ने एक कोचिंग संचालक की शिकायत पर शरद मोदी और अन्य साथियों के खिलाफ कार्यवाही की थी। मोदी ने अन्य साथियों के साथ कोचिंग संचालक से 20 हजार रुपए लिए थे और 80 हजार की मांग की

और उसके साथियों के खिलाफ कार्यवाही की थी। इसमें कोचिंग संचालक द्वारा रुपए वसूलने और कार्यालय में घुस कर दस्तावेज उठा ले जाने का बात कही थी। आरोपियों ने भी स्वयं को मानव अधिकार आयोग का उपाध्यक्ष बताया था। घटना के समय ये लोग सायरन लगी गाड़ियों में पहुंचे थे। उन वाहनों पर सायरन लगाने की इंदौर आरटीओ द्वारा जारी अनुमति भी लगी थी।

इस मामले में केसर बाग आरटीओ में जानकारी लेने पर नई जानकारी सामने आई। आरोपी शरद मोदी और उसके 5 अन्य साथियों ने वाहनों पर सायरन लगाने की अनुमति प्राप्त की है। इन सभी 6 वाहनों के लिए एक जैसा आवेदन

श्री एसएस शिक्षा एंड मानव कल्याण सेवा समिती, राष्ट्रीय मानव अधिकार एसोसिएशन के लेंटर हेड का उपयोग किया है। जिसमें एक पता दिल्ली के करोल बाग और दूसरा इंदौर के भवरकुआ का है। मुख्य आरोपी शरद मोदी ने अपनी गाड़ी एम्पी09 सीएच 0469 के लिए सायरन लगाने की अनुमति मांगी थी।

एक समिती के लेंटर हेड पर सायरन लगाने की अनुमति देने के मामले में इंदौर आरटीओ के अधिकारियों पर भी प्रश्न उठ रहे हैं। बिना गजट नोटिफिकेशन में देखे अपात्र आवेदक को वाहन पर सायरन लगाने की अनुमति दी गई। जबकि लाल पीली और नीली बल्टी के साथ ही सायरन-हुट

लगाने के संबंध में शासन ने नोटिफिकेशन जारी कर रखे है। इस मामले में एक जैसा आवेदन पर सभी 6 लोगों को सायरन लगाने की अनुमति दी गई। इनके नाम राजेश सबनानी, निलेश वविस्कर, शरद मोदी, शैलेन्द्र सिंह चंद्रावत, परमिंदर सिंह और फरदीन खान है।

**इनका कहना है ....**

आवेदकों द्वारा मानव अधिकार आयोग से सम्बद्धता बताए जाने पर अनुमति प्रदान की गई थी। अनुमति का गलत उपयोग करने की पुलिस द्वारा कार्यवाही करने की जानकारी मिलने पर अनुमति निरस्त कर दी गई है।  
**डॉ. एमपी सिंह, आरटीओ इंदौर**

